यहाँ ओम शांति में विश्व शांति का दिखता है आगाज़

'वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए सशक्त मीडिया' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में देशभर से पहुंचे 1500 पत्रकार

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन परिसर के विशाल डायमण्ड हॉल में मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित 'वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए सशक्त मीडिया' राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से 1500 से अधिक पत्रकार भाग लेने पहुंचे। इसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, वेब, रेडियो, विभिन्न समाचार पत्रों, टीवी चैनल के संपादक, ब्यूरो चीफ, संवाददाता और रिपोर्टर शामिल रहे। सम्मेलन में आईआईएमसी नई दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि आज सकारात्मक और मूल्य निष्ठ पत्रकारिता की आवश्यकता है। पत्रकारिता में मूल्य होंगे तो समाज भी मूल्यवान बनेगा। जब हम नैतिक बनेंगे तो संस्कृति और मूल्यों पर खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि मीडिया की शिक्षा आत्मनिर्भरता की शिक्षा है। मीडियाकर्मी कभी सेवानिवृत्त नहीं होते क्योंकि वह विचार की यात्रा पर होते हैं। हम सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया को लेकर चलने वाले हैं। ब्रह्माकुमारीज़ में सभी को राजयोग द्वारा मनुष्य बनने की यात्रा पर ले जाया जाता है।

उ.प्र. बुलंदशहर से आए भाजपा अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद डॉ. भोला सिंह ने कहा कि मैं 15 साल से ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ा हूँ। यहां आकर जो शांति की अनुभूति होती है वह बाहर की दुनिया में नहीं मिलती है। हम जैसा सोचते हैं, विचार करते हैं, वैसे बनते जाते हैं। यदि हमारे विचारों में शांति है तो हम वैसा ही बोलते हैं। उन्होंने सभी मीडियाकर्मियों से अनुरोध करते हुए कहा कि अपने विचारों को सकारात्मक और सशक्त बनाने के लिए जीवन में अध्यात्म और राजयोग को अवश्य अपनायें। आज समाज को आध्यात्मिक ज्ञान की बहुत आवश्यकता है।

सम्मेलन के दौरान...

मीडिया कर्मियों के इनर एम्पॉवरमेंट के लिए पाँच मेडिटेशन सेशन, दो प्लेनरी खुले सत्र, एक टॉक शो, दो इनसाइट सेशन का आयोजन हुआ जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही दो विशेष कल्चरल प्रोग्राम का भी आयोजन हुआ।

चिंतन करें... समाज में शांति कैसे आए

वरिष्ठ राजयोग शिक्षक राजयोगी ब्र.कु. सूर्य भाई ने कहा कि सभी पत्रकार भाई-बहनों से आह्वान है कि आप सभी चिंतन करें कि समाज में न्यूज़ देने के साथ-साथ समस्याओं का समाधान भी पेश करें। समाज में शांति कैसे आएगी, इस पर स्टोरी करें। ऐसी स्टोरी करें कि लोगों के जीवन में आशा जगे, नई ऊर्जा आ जाए, जीवन में शांति और खुशी आ जाए। आप सभी अपनी कलम की ताकत से समाज को नई जागृति दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी के मन में एक क्रिएटिव एनर्जी है। मनुष्य की जो क्षमताएं हैं उन्हें जगाना होगा, तभी समाज में शांति आएगी। पत्रकार समाज के निर्माता हैं।

सभी एक ईश्वर की संतान हैं

ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर भाई ने कहा कि परमात्मा ने हम सबको इस धरा पर अच्छा पार्ट बजाने के लिए भेजा है। इसलिए आप सभी मीडियाकर्मी आपके पास जो पावर है उसका उपयोग समाज कल्याण और विश्व शांति के लिए करें।

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी ने कहा कि हम सभी आत्मिक रूप से भाई-भाई हैं। सभी एक ईश्वर की संतान हैं। आज हम सभी सुख-शांति चाहते हैं। इसके लिए ज़रूरी है कि हम आपस में भ्रातृत्व की भावना रखें।

शांति न केवल समाज किंतु मन में ज़रूरी

उदयपुर से आए मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के जर्नलिज़्म डिपार्टमेंट के एचओडी प्रो. कुंजन आचार्य ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का बहुत-बहुत साधुवाद जो शांति पत्रकारिता की बात कर रहा है। शांति का समाधान कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, हमें इस पर काम करना होगा। दुनिया में जो युद्ध चल रहे हैं क्या किसी अखबार या चैनल ने यह प्रयास किया कि शांति कैसे स्थापित की जाए! शांति न केवल समाज में किंतु मन में ज़रूरी है।

सांस्कृतिक संध्या में बालक-बालिकाओं ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

यहाँ पढ़ाया जाता है आत्मा का पाठ

मीडिया प्रभाग अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. करुणा भाई ने कहा कि संस्था यह संदेश पूरे विश्व में देने के लिए समर्पित है कि हम सभी एक चैतन्य आत्मा हैं और परमपिता परमात्मा की संतान हैं। सर्व आत्माओं के पिता, परमपिता, परमेश्वर निराकार शिव ही हैं, जिन्हें सभी धर्मों में किसी न किसी रूप में माना जाता है। ईश्वर एक है। राजयोग मेडिटेशन यहां की मुख्य शिक्षा है। गुजरात वलसाड से आईं ब्र.कु. रंजन बहन ने राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराते हुए शांति और शक्ति का अनुभव कराया।

शांति पत्रकारिता आज समाज की ज़रूरत

भागलपुर से आईं इग्नू की रीजनल डायरेक्टर प्रो. डॉ. सराह नसरीन ने कहा कि हमें चिंतन करने की ज़रूरत है कि हम विकास की दौड़ में विनाश की ओर तो नहीं बढ़ रहे हैं। पत्रकारों को समस्या के साथ समाधान को पेश करने की ज़रूरत है। तभी समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

नई दिल्ली से आईं मोटिवेशनल स्पीकर व लेखक ललिता सहरावत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आज पूरी मानवता को मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। ओम शांति यह दो शब्द ब्रह्माण्ड की सारी समस्याओं को अपने अंदर समेटे है।

समाज में शांति के लिए मन में शांति ज़रूरी

अति. महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना स्वयं परमपिता शिव परमात्मा ने की है। परमात्मा ने प्रजापिता ब्रह्मा के मुख से जो ज्ञान दिया और जिन्होंने इस ज्ञान को अपने जीवन में धारण किया वह ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियां कहलाए।

परमात्मा के साथ कम्यूनिकेशन यहां सीखने को मिलता है

छ.ग. रायपुर से आए कुशाभाऊ ठाकरे जर्नलिज़्म एंड मास कम्यूनिकेशन यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मानसिंह परमार ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ समाज में आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से मानवीय मूल्यों को बढ़ा रहा है। यहां हमें इंटरा पर्सनल कम्यूनिकेशन सिखाया जाता है, जहां हम खुद को परमात्मा से जोड़ते हैं। लोग सकारात्मक और अच्छा कंटेंट पसंद करते हैं। आज भी यदि हम अच्छा कंटेंट देंगे तो देखने वाले लोग हैं।

श्रेष्ठ सोच के साथ लिखेंगे तो श्रेष्ठ कंटेंट ही समाज को जाएगा और समाज श्रेष्ठ बनेगा

अब समय आ गया है कि हमें समस्या पर चर्चा करने की जगह समाधान का हिस्सा बनना होगा। इसके लिए हमें अपने जीवन में सबसे पहले समाधान और शक्ति के संकल्पों को लाना होगा। सारे विश्व की नज़र भारत पर है। क्योंकि भारत के पास ही दुनिया की समस्याओं को हल करने की शक्ति और ताकत है। मीडिया को ऐसे सकारात्मक कदम उठाने होंगे जिससे समाज को नई प्रेरणा, नई राह मिले। समाज में जैसे-जैसे टीवी, सीरियल, फिल्म आदि का विस्तार होता गया वैसे-वैसे बदलाव आते गए। जो हम सुनते, देखते और पढ़ते हैं उससे मन का स्वास्थ्य बनता है। जो बार-बार संकल्प कर लिया वह हमारी सोच बन जाती है। सोच से संस्कार और संस्कार कर्म में बदल जाते हैं। यही कर्म हमारा भाग्य बनाते हैं। मीडिया के भाई-बहन जब अपनी सोच को बदल देंगे तो वह जो लिखेंगे, समाचार पेश करेंगे तो समाज में श्रेष्ठ कंटेंट ही जाएगा और समाज श्रेष्ठ बनेगा। घर में जो धन आए वह दुआओं वाला हो। दूसरों को सुकून और शक्ति के संकल्प देने वाला ही धन लाएं।

अपने मन को शांति का केन्द्र बनाना होगा

अहमदाबाद से आए टाइम्स ऑफ इंडिया के एडिटर वरिष्ठ पत्रकार तुषार प्रभु ने कहा कि शांति पत्रकारिता हमारे लिए एक नया कॉन्सेप्ट है। मैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का ऋणी हूँ कि यहां के ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन से मुझमें बहुत सकारात्मक बदलाव आया है। इसका परिणाम है कि पिछले एक साल में मैंने एक बार ही गुस्सा किया है। राजयोग हमारी सोच को बदल देता है। सबसे पहले हमें अपने मन को शांति का केंद्र बनाना होगा। आज मैं एक पत्रकार के तौर पर बहुत खुश हूँ। जब हम खुद प्रसन्न होंगे, खुश होंगे तभी पीस जर्नलिज़्म के बारे में सोच सकते हैं।

इन्होंने भी रखे विचार-

- ओडिशा बुद्ध से आए ऑल इंडिया रेडियो के पूर्व एडवाइज़र प्रो. चितरंजन मिश्रा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के इस ज्ञान और चिंतन को हम सभी को समझकर समाज को बताना होगा। - नेपाल सप्तरी से आए फेडरेशन ऑफ नेपाल जर्नलिस्ट के अध्यक्ष श्रवण कुमार राव ने कहा कि शांति पत्रकारिता को भारत और नेपाल दोनों राष्ट्रों में पत्रकारों को शुरू करने की ज़रूरत है। - ओडिशा से आईं एससी-एसटी बोर्ड और स्टेट एडवाइज़री बोर्ड की सदस्य डॉ. मेनांती बिहेंद्रा ने कहा कि आज मीडिया सबसे पावरफुल टूल के रूप में समाज के सामने है। समय की मांग है कि पत्रकार संकल्प लें कि हम समाज में शांति लाने के लिए प्रयास करेंगे। - ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने कहा कि हम अपने मूल्य और संस्कारों को भूल गए हैं। इससे हमारी सोच और कर्मों में गिरावट आ गई है। अब परमात्मा आकर हमें राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं। वह स्वर्णिम दुनिया में जाने की राह बता रहे हैं। - मुंबई से आए सीनियर मैनेजमेंट कंसल्टेंट ओमवीर सिंह सैनी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान और अध्यात्म को जीवन में अपनाने से पत्रकारों की खुद की स्थिति के साथ पत्रकारिता की दिशा बदल सकती है। - इंदौर से आए रेडियो सरगम के निदेशक वरिष्ठ पत्रकार आशीष गुप्ता ने कहा कि आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अध्यात्म की ज़रूरत है। हम विज्ञान में कितने भी आगे बढ़ जाएं लेकिन अध्यात्म के बिना सब अधूरा है। - ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु. सरला आनंद बहन, ज्ञानामृत पत्रिका की संपादक ब्र.कु. उर्मिला बहन, मैसूर से आए जानकी टीवी के मैनेजिंग डायरेक्टर महादेव स्वामी, भागलपुर से आए इग्नू के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. कमलेश मीना, मीडिया विंग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. आत्मप्रकाश भाई, राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु. सुशांत भाई, पीआरओ ब्र.कु. कोमल भाई, राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु. सरला बहन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन गुजरात ज़ोन की ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु. नंदिनी बहन, चंडीगढ़ ज़ोन की ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु. पूनम बहन व जयपुर से आईं ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु. चंद्रकला बहन ने किया। आभार सिद्धपुर से आईं सबजोन को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु. विजया बहन ने किया। राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु. शांतनु भाई ने सभी मीडिया बंधुओं का परमात्मा शिव के घर में स्वागत किया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Oct, 2023
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org